कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक: प्राथमिक भाषा और साक्षरता

हिन्दी
कमेंट्री: कहानियाँ - छोटे विद्यार्थियों को नई अवधारणाओं और भाषा से परिचित करवाने का एक अच्छा तरीका है। **शिक्षिका:** बच्चों, एक चूहा था। बहुत ही नटखट और बड़ा ही चालाक। कुछ न कुछ शरारत करने का उसका मन हमेशा करता था। कमेंट्री: इस प्राथमिक भाषा की कक्षा में, शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को एक परिचित कहानी, फिर से सुनाती हैं। उन्होंने कहानी को याद कर लिया है, और उसे सुनाने के लिए वह अभिनय तथा सामग्री का उपयोग करती हैं। **शिक्षिका:** ये क्या है? ये काहे का फोटो है? **विद्यार्थी:** चूहा। **शिक्षिका:** सबको दिखाई दे रहा है? **विद्यार्थी:** हाँ। **शिक्षिका:** क्या है ये? **विद्यार्थी:** चूहा। **शिक्षिका:** किस किस के घर में चूहे हैं? **विद्यार्थी १:** हमारे।

शिक्षिका: अरे वाह! चूहा क्या करता है घर में?

विद्‌यार्थी २: चूहे भागते हैं, और कतरते हैं कपड़ा।

विद्‌यार्थी ३: कपड़े कतर देते हैं।

विद्‌यार्थी ४: Ma'am, हमारे घर के कपड़े कतरता है।

शिक्षिका: कपड़े कतर देता है?

विद्‌यार्थी: हाँ।

शिक्षिका: कैसे बोलता है चूहा?

विद्‌यार्थी: चींईईई...

कमेंट्री:

विद्‌यार्थियों की प्रतिक्रियाओं पर ध्यान दीजिए, खासकर जब, विभिन्न तकनीकों का प्रयोग - शिक्षिका कहानी सुनाने के अपने कौशल को - बेहतर बनाने के लिए करती हैं।

शिक्षिका: एक चूहा था। बहुत नटखट, बड़ा शरारती। जैसे आप लोग शरारत करते हो न?

विद्‌यार्थी: हाँ।

शिक्षिका: ऐसे ही चूहा शरारत करता था। एक बार उसने सोचा कि, "क्यों न मैं शहर जाऊँ?" बारिश के दिन में - अपने बिल में बैठे बैठे - bore हो गया।

कमेंट्री:

कहानी एक शरारती चूहे के बारे में है, जो खरीदारी करने शहर जाता है, मगर उसके पास बिलकुल पैसे नहीं हैं। कहानी को ज़्यादा संवादात्मक और मनोरंजक बनाने के लिए शिक्षिका - हावभाव, सवाल व गानों का उपयोग करती हैं।

शिक्षिका: उसके पैर के नीचे से निकल के, और बैठ गया वहाँ पर, है ना?

विद्यार्थी: हाँ।

शिक्षिका: अब वो दुकानदार ने देखा "ओह! ये तो चूहा है! ये कहाँ से आ गया?" है ना?

विद्यार्थी ५: हाँ।

शिक्षिका: तो फिर, उसने क्या किया होगा?

विद्यार्थी ५: उसने... भगाया होगा।

शिक्षिका: उसने भगाया होगा। उसने कहा, "भाग यहाँ से। चूहे, तू यहाँ से भाग।" तो उसने क्या जवाब दिया होगा?

विद्यार्थी: "मैं नहीं भागूँगा।"

शिक्षिका: उसने कहा, "मैं नहीं भागूँगा। मैं नहीं भागूँगा! मैं नहीं भागूँगा। मैं नहीं भागूँगा!"

चूहे ने कैसे गाना गाया? "रातोंरात आऊँगा; अपनी सेना लाऊँगा; तेरे कपड़े काटूँगा।" कैसै करा? आप बताओ।

विद्यार्थी: "रातोंरात आऊँगा; अपनी सेना लाऊँगा; तेरे कपड़े काटूँगा।"

शिक्षिका: दुकानदार बहुत डर गया। उसने सोचा, "ये तो रात में, मेरे कपड़े काट देगा, आ के।" तो, उसने कहा, "चूहे भैया, चूहे भैया, तुम ये कपड़े ले जाओ, और ये..." उसने एक रेशमी कपड़ा चूहे को दिया, और कहा कि, "ये तुम ले जाओ, और अब तुम मेरे कपड़े नहीं काटना, रात में आ के। ठीक है?" चूहा खुश हो गया। अब वो चूहा कपड़े सिलवाने कहाँ जाएगा? टोपी सिलवाने के लिए?

विद्यार्थी: दर्ज़ी के पास।

शिक्षिका: कहाँ जाएगा?

विद्यार्थी: दर्ज़ी के पास।

शिक्षिका: हाँ। तो उसने कहा, "भागो यहाँ से। मैं तुमको कपड़े सिल के नहीं दूँगा।" फिर उसने गाना गाना शुरू कर दिया।

विद्यार्थी: “रातोंरात आऊँगा; अपनी सेना लाऊँगा; तेरे कपड़े काटूँगा।”

शिक्षिका: दर्ज़ी ने उसको टोपी सिल दी। अब वो टोपी उसने पहनी। तो टोपी उसने पहन के देखा! तो देखा - काहे में देखा उसने?

विद्यार्थी व शिक्षिका: आइने में देखा।

शिक्षिका: ऐसे देखा! फिर ऐसे देखा! फिर ऐसे देखा! अब वो कैसा लगा होगा?

विद्यार्थी: अच्छा।

शिक्षिका: कैसा लगने लगा होगा, टोपी पहन कर?

विद्यार्थी: अच्छा।

कमेंट्री:

कक्षा को बाहर ले जाना विद्यार्थियों के लिए आरामदायक और रोमांचक हो सकता है। जब आप अगली बार कहानी सुनाएँ, तो क्यों न इस वीडियो में से कुछ विचारों को अपनाने की कोशिश की जाए?

शिक्षिका: अच्छा, ये बताओ, आपको ये कहानी कैसी लगी?

विद्यार्थी: बहुत अच्छी!

शिक्षिका: आपको मज़ा आया?

विद्यार्थी: हाँ!